गांडीव, वाराणसी; पृ०सं०.05
दिनांक: 05-02-2019

डीरेका प्राविधिक प्रशिक्षण केन्द्र का स्थापना दिवस समारोह सम्पन्न

वाराणसी। डीजल रेल इंजन कारखाना प्राविधिक प्रशिक्षण केन्द्र का 60वां स्थापना दिवस आज शनिवार को प्रशिक्षुओं एवं प्रशिक्षकों द्वारा प्रस्तुत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं मुख्य अतिथि श्रीमती रश्मि गोयल द्वारा पुरस्कार वितरण के साथ सम्पन्न हुआ।

इस अवसर पर विचार व्यक्त करती हुई मुख्य अतिथि श्रीमती गोयल ने कहा कि डीरेका की स्थापना से पूर्व 2 फरवरी, 1959 को तत्कालीन राज्यपाल वी.वी.गिरी द्वारा इस तकनीकी संस्थान का शुभारम्भ हुआ था। उन्होंने कहा कि आज यह भारतीय रेल का सर्वश्रेष्ठ प्राविधिक प्रशिक्षण संस्थान है। यहां पर प्रशिक्षुओं के प्रशिक्षण के लिए अत्याधुनिक तकनीकी सुविधाएं उपलब्ध हैं जिसके माध्यम से यहां से प्रशिक्षण प्राप्त प्रशिक्षु देश एवं रेल की सेवा में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर रहे हैं।

प्रशिक्षुओं को अपने आशीर्वचन में श्रीमती गोयल ने कहा कि वे केवल प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए प्रशिक्षण न प्राप्त करें, बल्कि पूरे मनोयोग से ज्ञान अर्जित कर अपनी विधा में कुशलता प्राप्त करें, ताकि उनका भविष्य उज्ज्वल हो। समारोह में प्रमुख मुख्य यांत्रिक इंजीनियर ने प्राविधिक प्रशिक्षण केन्द्र के इतिहास से अब तक के उल्लेखनीय योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत सरकार के 100 प्रतिशत विद्युतीकरण लक्ष्य को आत्मसात करते हुए इस प्रशिक्षण केन्द्र ने अपने प्रशिक्षण कार्यक्रम में परिवर्तन किया है। समय के अनुरूप यह प्रशिक्षण केन्द्र यांत्रिक विधा के साथ ही साथ विद्युत रेल इंजनों तथा डीजल से विद्युत रेल इंजनों में रूपांतरण का भी प्रशिक्षण दे रहा है।

संस्थान ने विगत वर्षों में 4000 से अधिक पर्यवेक्षकों एवं कामगारों को प्रशिक्षण दिया है। यह संस्थान प्रधानमंत्री के कौशल विकास योजना के अंतर्गत भी प्रशिक्षण दे रहा है। समारोह के दौरान मुख्य अतिथि श्रीमती गोयल द्वारा प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण, खेलकूद एवं अन्य गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पुरस्कार प्रदान किया गया। समारोह में वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए डीरेका प्राविधिक प्रशिक्षण केन्द्र के प्राचार्य ने कहा कि इस संस्थान में फिटर, मशीनीष्ट, वेल्डर एवं इलेक्ट्रिशियन ट्रेडों में प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण दिया जाता है। इसके अतिरिक्त यहां पर रेलवे के अधिकारियों, कर्मचारियों, इंजीनियरिंग एवं डिप्लोमा इत्यादि के विद्यार्थियों के लिए रिफ्रेशर कोर्स, वोकेशनल ट्रेनिंग एवं स्किल डेवलपमेंट पाठ्यक्रम चलाया जाता है साथ ही प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना का पूर्णरूपेण अमल किया जाता है एवं विद्युत रेल इंजनों एवं डीजल से विद्युत में रूपांतरित रेल इंजनों का भी विशेष प्रशिक्षण दिया जाता है। इस अवसर पर रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारम्भ सरस्वती वंदना के साथ हुआ। इसी क्रम में प्रशिक्षुओं एवं प्रशिक्षकों ने वाद्य संगीत, समूह गीत, एकल गीत, समूह नृत्य इत्यादि प्रस्तुत कर दर्शकों का मन मोह लिया। प्रशिक्षुओं द्वारा प्रस्तुत अत्यन्त रोचक नाटक 'हुआ सवेरा' की दर्शकों द्वारा भूरि-भूरि सराहना की गयी।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में विभागाध्यक्ष, अधिकारी, कर्मचारी परिषद् के सदस्य, प्रशिक्षक, कर्मचारी एवं प्रशिक्षु उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन सहायक यांत्रिक इंजीनियर (प्रशिक्षण) ने किया।

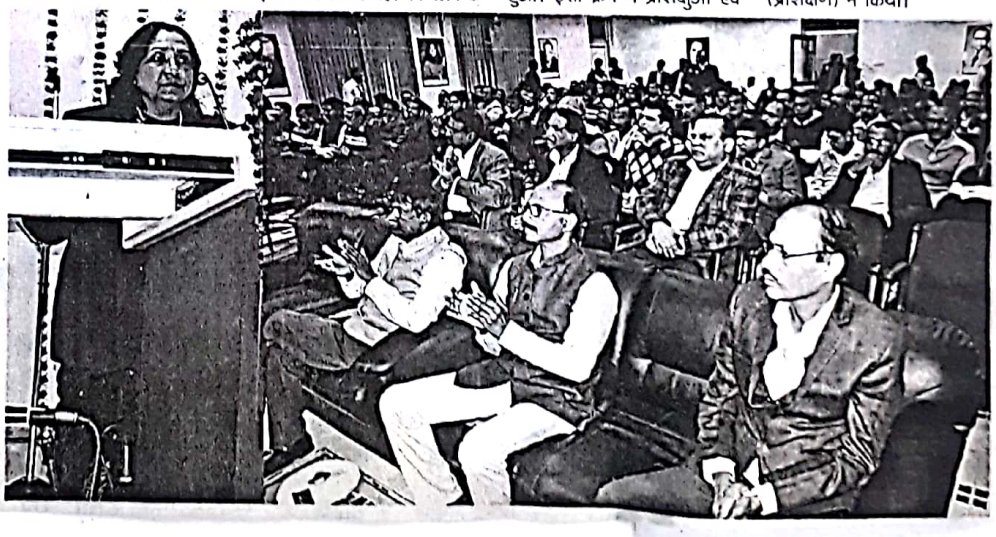

Scanned by CamScanner